

प्रधानमंत्री कार्यालय

# स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2018 के ग्रांड फिनाले के अवसर पर प्रधानमंत्री के भाषण का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 30 MAR 2018 10:55PM by PIB Delhi

देश के अलग-अलग कोने में रात के आठ साढ़े आठ बजे भी देश की तरक्की के लिए मेरे देश का नौजवान देश के लिए इतने बड़े यज्ञ में जुटा हुआ है, मेरा देश बदल रहा, आगे बढ़ रहा है।

देश के अलग-अलग केंद्रों में उपस्थित मेरे नौजवान साथियों को मैं बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं, बहुत-बहुत बधाई देता हूं। Smart India Hackathon, इस आयोजन के लिए मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर जी और उनकी पूरी टीम को मैं विशेष रूप से अभिनंदन करता हूं।

Smart India के Smart Innovators के बीच आना मेरे लिए हमेशा से एक सुखद अनुभव रहा है। अलग-अलग समस्याओं का technology के जरिए solution ढूंढने का जो प्रयास आप सभी कर रहे हैं, वह बहुत ही प्रशंसनीय है।

पिछले कुछ घंटों से आप सभी अपने मिशन में जुटे हुए हैं, लेकिन मैं मेरे सामने स्क्रीन पर देख रहा हूं कि आपका उत्साह, उमंग, आपका जज्बा, ऐसा लग रहा है आपको थकान ही नहीं लग रही है, न आपको कोई तनाव महसूस हो रहा है। ऐसा लग रहा है कि आपको देख करके मेरी भी थकान कम हो जाती है। आज की Generation जब Nation Building के लिए इस तरह के प्रयास में जुटती है, तो New India का इरादा और मजबूत हो जाता है।

Friends, मैं पिछली बार भी Smart India Hackathon में आया था। जब मुझसे पूछा गया कि क्या आप फिर जाएंगे, तो मैंने कहा, क्यों नहीं, मैं जरूर इन नौजवानों से मिलना चाहूंगा, आपसे मिलूंगा, आपकी बातें सुनूंगा, आपसे कुछ सीखने का प्रयास करूंगा।

अगर कोई ये सोच ले कि वही सर्वज्ञानी है, उसे सब कुछ आता है, तो मैं समझता हूं जिंदगी में उससे बड़ी कोई गलती नहीं हो सकती। अगर कोई सरकार भी ये सोच ले और मन में हवा भरके बैठ जाए कि जो भी करना है, सरकार ही करेगी, सरकार अकेले अपने दम पर करेगी; अगर सरकार भी ये सोचती है तो मैं समझता हूं सरकार की ये सबसे बड़ी गलती होगी। और इसलिए मैं बहुत जोर देता हूं Participation पर, Participative Governance पर।

दुनिया की कोई भी चुनौती, इस देश के सवा सौ करोड़ लोगों की इच्छाशक्ति और श्रमशक्ति से कतई बड़ी नहीं है। जहां 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम उम्र की हो, जहां पर Demographic Dividend का इतना विस्तार हो; उस देश के लोग ठान लें तो कोई भी

लक्ष्य असंभव नहीं है।

मैं विशेषकर नौजवानों की बात करूँ तो आप सभी में जो जोश, जो उत्साह, जो उम्मीद में New India के लिए देखता हूँ, वो मेरे अपने भरोसे को कई गुना और बढ़ा देती है। हाँ, हम 21वीं सदी में भारत को उसका वो स्थान दिला पाएंगे, जिसका हिन्दुस्तान अधिकारी है।

ये एक बहुत बड़ी वजह है कि मैं Young Professionals, Young CEO's, Young Scientists, Young Bureaucrats से मिलने का कभी भी कोई अवसर जाने नहीं देता। आपका ये उत्साह, ये ऊर्जा ही New India को साकार करने का सबसे बड़ा driving force है।

लेकिन सवाल ये भी है कि New India का ये transformation क्या कुछ सीमित प्रयासों से संभव है? तो जवाब मिलेगा, जी नहीं। इसके लिए आवश्यक है समस्याओं की जड़ तक जाकर समाधान के लिए out of box नए-नए तौर तरीके, नए-नए रास्ते खोजना।

हमारी सरकार की यही कोशिश हमें Smart India Hackathon Initiative तक लाई है।

मुझे बताया गया है कि पिछली बार के Hackathon में जो लगभग 60 प्रोजेक्ट फाइनल हुए थे उनमें से आधे पूरे होने वाले हैं और बाकी अगले दो - तीन महीने में पूरे हो जाएंगे।

मुझे खुशी है कि पिछले साल जहाँ 40 हजार से ज्यादा युवाओं ने इसमें हिस्सा लिया था, वहीं इस साल ये संख्या बढ़कर 1 लाख से ज्यादा हो गई है। इस साल केंद्र सरकार के 27 मंत्रालयों के साथ ही राज्य सरकारें भी इस Hackathon का हिस्सा बनी हैं। मुझे बताया गया है कि Hackathon में software edition के साथ ही, अगले कुछ महीनों में hardware edition को भी जोड़ा जा रहा है।

इस प्रयास के लिए आप सभी नौजवान और अलग-अलग मंत्रालयों को और प्रदेश की सरकारों को बहुत-बहुत बधाई देता हूँ।

मुझे बताया गया है कि इस बार आप फ्लड मैनेजमेंट और जंगल की आग जैसी कई बड़ी चुनौतियों का समाधान खोजने वाले हैं। मुझे विश्वास है कि Technology से Transformation के जिस रास्ते पर हम चल रहे हैं वो हमें जरूर लक्ष्य तक ले जाएगा।

साथियों, In the era where knowledge is power, innovation is the driver of growth यानि ज्ञान हमारे लिए पावर की तरह काम करता है, लेकिन उस ज्ञान को विस्तार देने के लिए हम जितना innovative होंगे, उतना ही देश का विकास ज्यादा होगा।

जब हम Innovation की बात करते हैं तो ये सिर्फ एक शब्द नहीं है। Innovation एक event भी नहीं है कि कुछ competitions हुए, judgment आए, इनाम बंटे और फिर celebrate करने के बाद सब अपने-अपने घर चले गए। Innovation एक प्रक्रिया है जो निरंतर चलती है। आप तभी Innovate कर पाएंगे जब आप समस्या को समझेंगे, कुछ सवाल करेंगे, नए ideas सामने रखेंगे और फिर उन ideas को अमल में लाने के लिए भरकस प्रयास करेंगे।

इसलिए मैं कहता हूँ - I ट्रिपल P (IPPP) इसमें अपना भी आई जुड़ जाता है, I ट्रिपल P यानि Innovate, Patent, Produce and Prosper. ये चार सीढ़ियाँ हैं जिन पर चलते हुए हमारे देश का विकास और तेजी से हो सकता है। जितना हम Innovate करेंगे, जितना जल्दी उन Innovations को पेटेंट कराएंगे, उनके Production की राह आसान बनाएंगे; जितना जल्दी उसे लोगों तक पहुंचाएंगे, उतना ही Prospers भी होंगे।

इसलिए हमारी सरकार लगातार Innovation को प्रोत्साहित कर रही है। अटल इनोवेशन मिशन ए आई एम - AIM के माध्यम से देश में Innovation एवं Entrepreneurship का कल्चर तैयार किया जा रहा है। हमारा मकसद एक ऐसा Eco System तैयार करने का है जो छात्रों को कम आयु में ही भविष्य की तकनीकों से परिचित कराए। हमारा प्रयास है कि Internet of Things, Artificial Intelligence, Block chain Technology, 3D और Robotics का अनुभव छात्रों को लेने के लिए इंजीनियरिंग कॉलेज तक पहुंचने का इंतजार न करना पड़े।

कम उम्र में ही Innovation का Mind Set तैयार करने की दिशा में हमने देशभर के करीब-करीब 2400 two thousand four hundred स्कूलों को चुना है। भविष्य में इन स्कूलों की संख्या को बढ़ाकर हमारी सरकार 30 हजार तक ले जाना चाहती है। Atal Tinkering Labs में छठी से 12वीं कक्षा के छात्रों पर Focus किया जा रहा है। इन Labs में Educational and Learning के concept पर अमल करते हुए बच्चों को आधुनिक तकनीक introduce कराई जा रही है।

Teen Age में एक बार Innovative Mind Set बना, तो समझ लीजिए कि आपका आधा काम हो चुका। इसके बाद बात आती है research के रास्ते को मजबूत करने की। और इसलिए Higher Technical Education के दौरान Research को प्रोत्साहित करने के लिए एक अहम फैसले का ऐलान इस बजट में किया गया है।

सरकार ने PMRF यानि Prime Minister Research Fellowship की घोषणा की है और मैं चाहूंगा कि आप सब इसका फायदा उठाएं। इसके तहत IIT, IISC, NIT जैसे संस्थानों के B Tech, M tech और M SC के Best Students को Prime Minister Fellowship दी जाएगी। हर साल एक हजार छात्रों को इसके लिए चुना जाएगा। इन छात्रों को पाँच साल तक हर महीने 70 से 80 हजार रुपए तक की आर्थिक सहायता भी दी जाएगी। अंतर्राष्ट्रीय conferences और seminars में वो अपने रिसर्च पेपर रख सकें इसके लिए 2 लाख रुपए की research grant भी सरकार द्वारा दी जाएगी।

साथियों, Second World War के बाद जिन देशों ने बहुत तेज गति से प्रगति की, उनमें एक बात common थी। उन देशों में Higher Educational Institutions के विकास पर बहुत जोर दिया गया, उनको प्राथमिकता दी गई। बड़े संस्थानों में हुए Innovations, Economic Growth का भी बड़ा आधार बनते हैं।

यही वजह है कि सरकार का जोर देश में Higher Educational Institutions को ज्यादा से ज्यादा स्वायत्तता यानी कि Autonomy देने का है। सरकार देश में world class 20 Institutions Of Eminence बनाने पर भी काम कर रही है। इनमें से चुने गए पब्लिक

सेक्टर के 10 Institutes को कुल 10 हजार करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता भी सरकार द्वारा दी जाएगी।

एक तरफ हम भविष्य के लिए eco system तैयार कर रहे हैं, वहीं Start-up India जैसी स्कीम के तहत नए Start-up और entrepreneurs तैयार करने का काम किया जा रहा है। आपको बता दूं कि जबसे ये स्कीम लॉन्च हुई है तब से 6 हजार start-up को मंजूरी दी जा चुकी है। इन start-up को सरकार आर्थिक मदद दे रही है।

Friends, Innovation के कल्चर के साथ ही World Challenges को देखते हुए खुद को ढालना भी बहुत आवश्यक है। मुझे याद है जब हल्दी, नीम, बासमती जैसे पेटेंट भी दूसरे देशों ने करा लिए थे तो कितना कष्टकारी समय था। इसलिए हमारी सरकार ने Patenting और Copyright की व्यवस्था को भी सुधारने के लिए कई फैसले लिए।

इसका परिणाम है कि वर्ष 2013-14 में जहां 4 हजार के करीब patents register होते थे वहीं इस वर्ष फरवरी तक 11 हजार 300 से ज्यादा patents register हुए हैं। और मुझे विश्वास है कि ये सुन करके आपको गर्व होता होगा आपको खुशी होती होगी। यानि पहले की सरकार के मुकाबले करीब-करीब तीन गुना ज्यादा patent registration इस सरकार के समय हो रहा है। trade mark registration भी तीन साल में तीन गुना बढ़ गया है।

2013-14 में लगभग sixty eight thousand trade mark रजिस्टर होते थे और अब ये आंकड़ा ढाई लाख से ऊपर जा चुका है।

Innovation और Patenting के साथ ही Production पर भी हमारी सरकार का पूरा जोर है।

Make in India एक ऐसा ब्रांड बन गया है जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में है। आपको सिर्फ एक सेक्टर का उदाहरण दूं तो आप पूरी तस्वीर समझ जाएंगे। Friends, 4 साल पहले हमारे देश में मोबाइल फोन बनाने वाली सिर्फ और सिर्फ दो फैक्टरियां थीं। और आप सब नौजवान इस फील्ड में हैं, आपको खुशी होनी चाहिए कि चार साल पहले हमारे देश में मोबाइल फोन बनाने वाली सिर्फ और सिर्फ दो फैक्टरी थीं, वहीं आज चार साल के भीतर-भीतर जो देश ने गति पकड़ी है, Make In India ने गति पकड़ी है, दो फैक्टरी से निकल करके आज हिन्दुस्तान में मोबाइल फोन बनाने वाली 120 factories आज देश में काम कर रही हैं।

जब Innovation, Patent और Production अपनी पूरी गति पकड़ते हैं तभी Prosperity - समृद्धि आने की गति भी तेज हो जाती है। लेकिन साथियों, इसमें एक और महत्वपूर्ण सवाल भी जुड़ा हुआ है। आखिर Innovation किसके लिए? क्या हमारे स्वयं के लिए कि हमारे देश के लिए या हमारे देश के गरीब-दुखी बंधुओं के लिए? अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए या देश की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए?

मैं मेरे नौजवान साथियों के सामने ये सवाल जान-बूझ करके रख रहा हूं। International Gadget के अंदर, मैगेजीन के अंदर, Scientific technology की दुनिया में हमारा पेपर छप जाएगा लेकिन संतोष तो तब मिलेगा कि मेरी कोई चीज अगर देश के काम आने वाली बने, और इसलिए इस बारे में भी विचार किया जाना चाहिए कि ऐसे innovations क्या हों, जो देश के लिए काम आए। इस देश की समस्याओं का समाधान करें।

इस देश में Multiple Hackathons भी एक कदम हो सकता है। जैसे Health-Hackathon, Law-Hackathon, Architecture-Hackathon, Agriculture-Hackathon और Rural Hackathon. अनेक ऐसी चीजें हम निकाल सकते हैं। हमारे देश को अलग सोचने वाले, Innovative सोचने वाले agriculturists, architects हों,, doctors हों, lawyers हों, managers हों, इनक आवश्यकता है।

मुझे उम्मीद है ये Hackathons नई प्रतिभाओं को भी प्लेटफॉर्म देने का एक बड़ा माध्यम बन सकते हैं। इनके जरिए Public transportation से जुड़े हुए, Sanitation और Waste management से जुड़े हुए, स्वच्छता से जुड़े हुए, नए innovations को भी हम सामने ला पाएंगे।

इससे देश के लोगों के सामने रोजमर्रा की चुनौतियां तो कम होंगी ही, उनकी जिंदगी भी आसान बनेगी। इसके अलावा आपके Innovations देश की सेवा करने का काम भी करेंगे।

जैसे मुझे बताया गया है कि आप सभी इस Hackathon में high resolution images के लिए Drones का कैसे इस्तेमाल किया जाए; इस पर भी कार्य कर रहे हैं। अब इससे जुड़ा कोई भी Innovations देश की बहुत बड़ी सेवा होगा।

आप जानकर हैरान होंगे कि Drones द्वारा ली जा रही तस्वीरों को कैसे हमारी सरकार ने योजनाओं की मॉनीटरिंग से जोड़ दिया है। आज प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जो घर बनते हैं, प्रधानमंत्री सिंचाई परियोजना के तहत जिन अधूरी योजनाओं को पूरा किया जा रहा है, मनरेगा के तहत जो कार्य किया जा रहा है, उसकी Geo-Tagging और Mapping में इनकी बहुत बड़ी भूमिका है।

पिछले महीने की बात है जब प्रगति की बैठक के दौरान हमने ड्रोन कैमरा के माध्यम से Live समीक्षा की थी, कि केदार घाटी में निर्माण का काम कितना पूरा हो गया है। खैर वहां बर्फ-वर्षा चल रही थी, टेक्नोलॉजी कनेक्टिविटी में कुछ कठिनाई भी हो रही थी लेकिन फिर भी एक चित्र मेरे सामने प्रस्तुत हुआ। दिल्ली में बैठकर मैं पूरा उसको खुद उसको मॉनीटर कर पाया। अब आप सभी कुछ Innovate करेंगे तो आने वाले दिनों में ऐसी चीजों का इस्तेमाल करना भी बहुत सामान्य हो जाएगा।

मेरे जिन नौजवान साथियों को प्रगति की बैठकों के बारे में नहीं पता है, उन्हें मैं बताना चाहता हूं कि हमारी सरकार ने मॉनीटरिंग का ये आधुनिक सिस्टम develop प किया है। इसमें प्रधानमंत्री कार्यालय में हम लोग बैठते हैं, राज्यों के संबंधित अफसर सैटेलाइट से हमारे साथ जुड़ते हैं और योजनाओं की real time monitoring की जाती है। योजना पूरी होने में क्यों देर हो रही है, क्या दिक्कत हो रही है, कितना काम हुआ है, कितना अधूरा है, ये सब हमारे सामने होता है।

साथियों, बदलते समय में अब किसी भी देश की आर्थिक प्रगति अब उसके Innovation Quotient पर निर्भर करती है। हमारे देश में साधनों की कमी नहीं है, संसाधनों की कमी नहीं है; सामर्थ्य आप नौजवानों में भरपूर है। मेरा एक आग्रह जरूर है। जितने सपने आप

देखना चाहें, वो देखिए, लेकिन उन्हें पूरा करने के लिए कदम भी अवश्य उठाइए। किसी भी सपने को मरने मत दीजिए। जब हौसला सपने पूरे करने के लिए कुछ भी कर गुजरने का होगा, तभी आप लक्ष्य को प्राप्त भी कर पाएंगे।

याद रखिए- मैं जिस पीढ़ी से हूँ, आप जिस पीढ़ी से हैं, हम वो लोग हैं जिन्हें स्वतंत्रता के लिए लड़ने का अवसर नहीं मिला, जेलों में ज़िंदगी गुजारने का अवसर नहीं मिला, अपनी जवानी देश के लिए खपाने का अवसर नहीं मिला, देश के लिए मरने का मौका नहीं मिला, लेकिन हम सभी को देश के लिए जीने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मरने का मौका न मिला लेकिन जीने का अवसर मिला है। देश के लिए जीने का अवसर मिला है। गरीब, सामान्य व्यक्ति की ज़िंदगी के लिए जीने का अवसर मिला है। और इसलिए अपनी प्रतिभा, अपना सामर्थ्य देश पर लगाइए। टेक्नोलॉजी का बेहतर इस्तेमाल कैसे देश के लिए हो सकता है, इस बारे में निरंतर सोचते रहिए, प्रयास करते रहिए।

दोस्तों, मैं देख रहा हूँ कि आप सुबह से बैठे हैं और कल रात तक बैठने वाले हैं, 36 घंटे बहुत होते हैं। मैं भी आज का आपका अनुभव सुनना चाहूँगा। आपको इतने तनावपूर्ण में वहाँ शायद आपको कुछ relax करने के लिए कुछ प्राणायाम भी कर लेते होंगे जरा गहरी सांस भी ले लेते होंगे या हाथ-पैर ऊपर करके थोड़ा योगा का भी स्वाद लेते होंगे। ताकि थोड़ा मानसिक एक खुलापन आ जाए तो तेज गति से नए-नए विचार आते हैं और आप जिस task को कर रहे हैं उस task की seeding मैं भी आपके बीच कर रहा हूँ।

सबसे पहले मैं जब मैं आपके बीच आया हूँ तो मैं चाहूँगा कि कुछ आपके भी अनुभव सुनूँ। अलग-अलग क्षेत्र में जाऊँगा। मुझे बताया गया था, शायद मुझे सबसे पहले पानीपत के नौजवानों से बात करने का मौका मिल रहा है-

\*\*\*\*\*

अतुल तिवारी/ कंचन पतियाल/ निर्मल शर्मा

(रिलीज़ आईडी: 1527808) आगंतुक पटल : 134

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English , Marathi , Gujarati , Tamil



प्रधानमंत्री कार्यालय

# गुजरात फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह के अवसर पर प्रधानमंत्री के भाषण का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 23 AUG 2018 11:00PM by PIB Delhi

गुजरात के गवर्नर श्रीमान ओ.पी. कोहली जी, मुख्यमंत्री श्री रूपानी जी, उपमुख्यमंत्री श्री नितिन भाई, मंत्रिपरिषद् के उनके सहयोग श्रीमान भूपेंद्र जी चुड़ासमा, श्री प्रदीप सिंह जाडेजा, गुजरात फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर जर्नल डॉ. जे. एम. व्यास Convocation में सम्मिलित सभी महानुभव, मेडल विजेता स्कॉलर्स, उनके अभिभावक और आज प्रधानमंत्री के special guest, जो स्कूल के जो बच्चे आए हैं वो मेरे विशेष मेहमान हैं। भाईयों और बहनों आप सभी का गुजरात के Forensic Science University के चौथे Convocation में मैं भी हृदय पूर्वक बहुत-बहुत स्वागत करता हूँ। और यह स्वागत मैं इसलिए कर रहा हूँ कि कोई गलती न कर दे कि मैं यहां अतिथि हूँ। सबसे पहले मैं उन विद्यार्थियों को हृदय से बधाई देता हूँ, जिन्हें आज डिग्री मिल रही है और जो अपने जीवन के आगे की और बहुत महत्वपूर्ण यात्रा की एक शुरुआत कर रहे हैं। मैं सभी छात्र-छात्राओं के माता-पिता और उनके परिवार के अन्य सदस्यों का भी हृदयपूर्वक अभिनंदन करता हूँ। उनकी परवरिश, उनके प्रयत्न और उनके परिश्रम से ही आज उनकी लाडली बेटी और लाडले बेटे यहां सफलता के इस मुकाम पर पहुंचे हैं।

I am particularly delighted to be at the Gujarat Forensic Sciences University. This university and the students studying here are pioneers. This is not a university that offers courses that are more talked about. Instead, the focus area is specific. Your road to Gandhinagar would not have been an easy one. When you planned to come here, I am sure people asked you are you sure, you want to do this? Are you watching too many crime related TV shows? Or, are you reading too many Agatha Christie or Feluda books? Yet, you persisted and selected a stream that is conventionally believed to be unconventional but highly important for today's age. This shows that you not only believe in yourself but also are blessed with the power of determination to pursue your own dreams. This trait will always help you in the times to come. Friends, It is a matter of pride that in a short time, GFSU has achieved such a bench-mark of academic excellence that the National Assessment and Accreditation Council has awarded this University an 'A' Grade. I am glad that GFSU is among very few universities in India, to achieve this immediately after establishment. With Thirty-Five courses and Two-Thousand Two-Hundred Plus students, Gujarat Forensic Science University is engaged in teaching and research in different areas of Forensic Sciences. I congratulate the leadership, management, and faculty of GFSU for their energy and commitment, making this University the pride of Gujarat and India.

साथियों, Police, Forensic Science और Judiciary ये तीनों ही criminal justice delivery system के अभिन्न अंग होते हैं। किसी भी देश में यह तीनों अंग जितने ज्यादा मजबूत होंगे, उतना ही वहां के नागरिक सुरक्षित होंगे और अपराधिक गतिविधियां नियंत्रण में रहेंगी। इसी सोच के साथ बीते वर्षों में गुजरात में एक holistic approach के साथ इन तीनों स्तंभों को विस्तृत करने का कार्य शुरू हुआ। रक्षा शक्ति यूनिवर्सिटी, National Law University और Forensic Science University यानि एक तरह से कानून व्यवस्था से जुड़ा complete holistic package इसी का नतीजा है कि आज रक्षा शक्ति यूनिवर्सिटी से qualified, trained students निकल रहे हैं, जो

विभिन्न सुरक्षा बलों में जाकर internal security को मजबूत करने का काम कर रहे हैं। National Law University और Forensic Science University निकले युवा, उनकी कुशलता, जांच और न्यायिक प्रक्रिया को और सशक्त कर रही है।

साथियों आज के बदलते समय में अपराधी अपने अपराध को छिपाने के लिए, बचने के लिए जिस तरह के तरीके को अपना रहा है, उस स्थिति में यह उतना ही महत्वपूर्ण है कि हर व्यक्ति को यह एहसास हो कि अगर वो कुछ गलत करेगा तो कभी न कभी तो पकड़ा जाएगा, सजा भुगतनी पड़ेगी। पकड़े जाने की भय की यह भावना और अदालत में उसका अपराध साबित होने का डर अपराध को नियंत्रण में रखने में बहुत मददगार साबित होता है और यही पर Forensic Science की भूमिका सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाती है। Surety of punishment हमारे judicial system की credibility को भी और नई ताकत देती है। मैं GFSU की इस बात के लिए विशेष सराहना करता हूँ कि वो वैज्ञानिक तरीके से criminal investigation और justice delivery system को मजबूत करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर human resource का बड़ा पूल तैयार कर रही है। सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि across the globe Law Enforcement एजेंसियां आपकी यूनिवर्सिटी से मदद मांगने के लिए आगे आ रही है। अनेक देशों को मदद करके उनके लोगों को ट्रेनिंग और consultancy देकर आपकी यूनिवर्सिटी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त कर रही है।

मुझे बताया गया है कि पिछले पांच साल में गुजरात Forensic Science University ने छह हजार से ज्यादा अफसरों को ट्रेनिंग दी है। इसमें 20 से अधिक देशों के 700 से ज्यादा पुलिस अफसर भी यहां ट्रेनिंग प्राप्त कर चुके हैं। और अपने-अपने देश में वापस लौटकर यह अफसर अपने knowledge, और Skill का इस्तेमाल अपने देश और समाज को सुरक्षित रखने में आज कर रहे हैं। आप सभी के लिए प्रत्येक गुजरातवासी के लिए यह बहुत ही गर्व की बात है कि उसकी जमीन पर चल रही एक यूनिवर्सिटी अपनी ट्रेनिंग और education के बल पर Global Security में इतनी निर्णायक भूमिका निभा रही है।

साथियों आज के इस दौर में यह भी बहुत आवश्यक है कि हर नई व्यवस्था खुद को आधुनिक तकनीक के अनुरूप ढालती रहे। निश्चित तौर पर इसमें डिजिटल टेक्नोलॉजी इसका महत्वपूर्ण योगदान है। डिजिटल टेक्नोलॉजी ने तो Forensic Science को नई ताकत दी है। पहले तो सारी testing, investigations physically ही करने पड़ते थे। आज डिजिटल टेक्नोलॉजी ने इन कार्यों को और आसान किया है और precise भी किया है। और मैं समझता हूँ कि इस क्षेत्र में नये-नये सॉफ्टवेयर develop किये जाने डिजिटल tools का इस्तेमाल बढ़ाने का बहुत scope अभी भी है और इस दिशा में भी ज्यादा विस्तार से सोचा जाना चाहिए। साथियों एक तरफ internet ने हम सभी के जीवन को आसान बनाने का काम किया है तो दूसरी तरफ एक नये तरह के अपराध cyber crime को भी जन्म मिला है। यह cyber crime देश के नागरिकों की privacy के लिए तो चुनौती है ही। हमारे financial institution हो, power stations हो, hospitals हो ऐसे सारे ऐसे महत्वपूर्ण अंगों को भी यह प्रभावित करते हैं। यह National Security के लिए भी, न सिर्फ हिन्दुस्तान, दुनिया के हर देश के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। आज इस अवसर पर मैं सभी cyber और digital expert से आग्रह करता हूँ कि वो डिजिटल इंडिया मिशन का सहभागी बनकर देश और समाज को सुरक्षित करने, उसे सशक्त करने में मदद करें। सरकार द्वारा cyber crime को रोकने के लिए ऐसे अपराधियों में भय उत्पन्न करने के लिए जरूरी कदम उठाये गए। Cyber Forensic Labs को भी मजबूत किया गया है, लेकिन इसके साथ ही आप जैसे अनुभव expert की भी देश को बहुत-बहुत आवश्यकता है, जो कम समय में ऐसे अपराधियों तक पहुंचने में जांच एजेंसियों की मदद कर सकते हैं। साथियों बदलते समय के साथ सिर्फ crime ही नहीं बल्कि अलग-अलग क्षेत्रों में भी Forensic Science का महत्व बढ़ रहा है। जैसे insurance sector हो, insurance कंपनियों के पास अपने claim settlement के लिए अलग-अलग तरह के लोग आते हैं। उनके लिए बड़ी चुनौती होती है कि जो claim कर रहा है वो genuine है या नहीं है। Forensic Science की जानकारी इसमें उनकी मदद कर सकती है। इसी तरह अगर Health Sector में काम करने वालों को Forensic Science की knowledge होगी तो वो भी Forensic needs को ध्यान में रखते हुए काम करेंगे। जैसे किसी हादसे के बाद या अपराध के बाद जब जखमी व्यक्ति अस्पताल पहुंचता है तो उसके साथ बहुत सारे



Forensic evidence ले करके आता है। Health Sector में काम करने वालों को, nurses को, Forensic Science की अगर बेहतर समझ होने पर यह सबूत बचाने में वो काफी मदद कर सकते हैं। Forensic Science के हर छात्र के लिए human intelligence की बारीकियों को विकसित करना भी बहुत महत्वपूर्ण है। हो सकता है आपमें से कुछ ने यहां गुजरात और राजस्थान में खास करके पगी समुदाय के बारे में सुना होगा। कच्छ और बॉर्डर वाले इलाकों में एक पगी समुदाय के लोग सदियों से अपने human intelligence के लिए बहुत मशहूर रहे हैं। जैसे ऊंट के footprint देख करके बता देते हैं कि ऊंट अकेला था या उस पर कोई बैठा हुआ सवार के साथ था या सामान लगेज के साथ था और मैंने तो कहीं पढ़ा था कि जो पगी समुदाय होता है बचपन से पांचों senses को develop करने के लिए परंपरागत ट्रेनिंग उनके कुनबे में रहा करती थी और इसलिए गंभीर अपराधों को solve करने के लिए कुछ इलाकों में तो आज भी पुलिस इस प्रकार के पगी समुदाय के लोगों को बुला कर उनसे मदद भी लेती है। और मैं यूनिवर्सिटी और प्रशासन से कहना चाहूंगा कि कभी न कभी तो दुनिया में इन सारी चीजों का उपयोग हुआ है, human intelligence के द्वारा उपयोग हुआ है। क्या Forensic Science University कई विषयों पर काम कर रही है। Traditionally हमारे देश में Forensic Science university और पुराने जमाने की जो tradition थी, पहले जब डिजिटल टेक्नोलॉजी नहीं थी तो लोग finger print को मिला करके सबूत इकट्ठा करके अपना opinion देते थे। Hand writing expert हुआ करते थे वो opinion देते थे, Psychoanalysts होते थे वो psycho profile बना करके देते थे। Traditionally यह सारी चीजें थीं। यह जो traditional चीजें हिन्दुस्तान में थी और हर राज्य में थी उसको Forensic Science University के द्वारा अगर उसको इकट्ठा किया जाए और उन traditional knowledge को आधुनिक टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ करके उसे नये आयाम पर कैसे ले जाया जा सकता है, मैं समझता हूं यह न सिर्फ हिन्दुस्तान में दुनिया में हर देश के पास ऐसी कोई न कोई विद्या है। उस विद्या का अगर उपयोग किया जाएगा तो हम इन चीजों को बहुत आगे बढ़ा सकते हैं। उदाहरण के तौर पर जो psycho-profile तैयार करते हैं, Psychoanalysis करते हैं। किसी जमाने में वो मिल करके बात कर करके उनके परिवार जनों से पूछ-पूछ करके तय करते थे। आज टेक्नोलॉजी के माध्यम से हो जाता है। जैसे traditional knowledge ने, plus technology ने efficiency लाई है, perfection लाया है, मैं समझता हूं हमारे Forensic Science university research का एक क्षेत्र भी होना चाहिए कि traditional knowledge, human intelligence और modern technology इन दोनों को मिला करके हम इस क्षेत्र में किस प्रकार से काम कर सकते हैं, उस दिशा में भी हमारी यूनिवर्सिटी को काम करना चाहिए।

Friends, criminals and ways of committing crime are constantly changing. In order to deal with rapidly changing crime scenario, you also have to develop newer techniques to make it clear that criminals will not be spared. DNA profiling has established new dimensions in forensic investigation. With the help of this technology, many such cases have been resolved which would otherwise remain unsolved. I call upon forensic experts to help the judicial system by using DNA profiling as much as possible so that culprit get punished immediately and the victims get justice. Looking at the importance of DNA technology in forensic investigation, our government has approved the DNA Technology (Use and Application) Regulation Bill 2018. Through this bill, we will ensure that all DNA tests remain reliable and the data is safe. The Government has also decided to strengthen DNA analysis labs in all the States and Union Territories. A State of the Art lab under the Nirbhaya scheme is being established at Central Forensic Science Laboratory, Chandigarh. I am confident that in the coming times, we will be able to deter the heinous crimes, including the crimes committed on women, speedily and accurately.

अब जैसे आपने पिछले दिनों अखबारों में पढ़ा होगा मध्य प्रदेश के मंदसौर में एक अदालत ने सिर्फ दो महीने की सुनवाई के अंदर-अंदर नाबालिग पर बलात्कार करने वाले दो बलात्कारियों को, राक्षसों को फांसी की सजा सुना दी सिर्फ दो महीने में, इससे पहले मध्य प्रदेश के कटनी में एक अदालत ने सिर्फ पांच दिन में सुनवाई के बाद इन

राक्षसों को फांसी की सजा दे दी। राजस्थान में भी अदालतों ने ऐसी ही त्वरित कार्रवाई की है। रेप जैसे जघन्य अपराधों में हमारी अदालतें तेज गति से फैसले लें इसके लिए Forensic Science और आप जैसे expert बहुत बड़ी सेवा कर सकते हैं। बहुत बड़ा प्रभाव पैदा कर सकते हैं। सरकार ने कानून को कड़ा किया, पुलिस ने जांच की लेकिन Forensic Science ने अदालत को जल्द फैसला लेने का एक मजबूत scientific support system दिया। न्यायिक प्रक्रियाओं में इस तरह की तेजी और अपराधियों के बचने का कोई भी मौका न दे और मैं मानता हूँ कि आपकी योग्यता बड़े से बड़े गंभीर अपराधों को भी नियंत्रित करने में समाज की बहुत बड़ी सेवा करते हैं।

साथियों Forensic Science को देश के हर राज्य में ज्यादा से ज्यादा मजबूत किया जाने उसके विस्तार किये जाने पर सरकार लगातार कार्य कर रही है। इसी कड़ी में देश के पुलिस बल की आधुनिकिकरण की योजना के तहत सरकार ने गुजरात Forensic Science University को upgrade करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर और क्षेत्रीय स्तर पर centre of excellence और नये institute की स्थापना के लिए काम शुरू किया गया है। इस प्रोजेक्ट पर 300 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे जिसमें से 60 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार द्वारा दी जाएगी। और मुझे खुशी है कि गुजरात सरकार भी इस प्रोजेक्ट के लिए अपनी तरफ से लगभग 50 करोड़ रुपये जारी कर चुकी है। इस राशि का इस्तेमाल Forensic Science तकनीकों के आधुनिकिकरण और उन्हें विस्तार देने में किया जाएगा।

Friends, you have selected a very appropriate subject to study. Some of the principles from the classrooms of Forensic Science will also help you in the classroom of life, though in different contexts. They taught you the Law of Individuality, never forget that principle in life too. Swami Vivekananda used to say each soul is potentially divine. This means each one of us, within ourselves, has tremendous strength that is just waiting to be explored. The first step towards manifesting this strength is to believe. Believe in yourself. Believe in your abilities. Believe in your potential. Locard taught you that the perpetrator of a crime will bring something into the crime scene and leave with something from it. I am sure you will always be solving crimes. But, do remember that each one of you students brings great value to our society as well. And, while adding value, do not forget to also learn from others. Keep your mind open to new ideas, views and opinions. Enrich the world with your thoughts and absorb the best that others have to offer. This diversity is what will make you a richer person. And, when I say Law of Progressive Change, while your mind would naturally go back to what you were taught, also think about the times to come. We live in a world that is rapidly changing in every sense. Cutting edge innovation is the corner-stone of our times. It does not take much time for a new idea to become old. People, and youngsters in particular are coming out with out of the box solutions in record time. Likewise, you too must be at the centre of the changing trends across the globe. Your education and intelligence has trained you to think out of the box. Ensure that you use these skills not only to keep pace with the changes around us but also to drive some of the progressive changes that make our world a better place. Generations to come will thank you for it. Friends, no scheme or initiative can be successful without the participation of youth. I am confident that the knowledge you have gained here will help you serve the country effectively and achieve professional success. I hope you shall continue to hold your Alma Mater in the highest esteem. I wish all the graduating students a bright and vibrant future.

और मैं विशेष रूप से आज मैं देख रहा था बड़ी मुश्किल से कोई लड़का नजर आता था, सारे अवॉर्ड बेटियां ले रही थी। देखिए यह बदलते हुए समय की दमक है। मैं विशेष रूप से उन बेटियों को और उनके मां-बाप को बहुत-बहुत बधाई देता हूँ और इन बेटियों को विशेष रूप से रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देता हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद।

\*\*\*

**AKT/VJ/TK/VK**

(रिलीज़ आईडी: 1543800) आगंतुक पटल : 519

प्रधानमंत्री कार्यालय

# नई दिल्ली में भारत-इटली प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन के समापन समारोह में प्रधानमंत्री के सम्बोधन का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 30 OCT 2018 6:05PM by PIB Delhi

Your Excellency, प्रधानमंत्री जुसेप्पे कोन्ते जी, कैबिनेट में मेरे सहयोगी Dr. हर्षवर्धन जी, Tech Summit में मौजूद Technology की दुनिया से जुड़े भारत और इटली के सभी साथी, देवियों और सज्जनों !

नमस्कार!

चाओ, कोमे स्ताई!

इटली से यहाँ आए सभी अतिथियों का विशेष रूप से हार्दिक स्वागत है!

बेनवेनुतो इन इंडिया!

**Friends,**

ये 24<sup>th</sup> Tech Summit है। इस समिट में Partner Country के रूप में इटली की भागीदारी और साथ ही प्रधानमंत्री कोन्ते जी की गरिमामय उपस्थिति, ये हमारे लिए गौरव का विषय है।

यहां आने से पहले, अपनी आधिकारिक मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री श्री कोन्ते जी के साथ मेरी विस्तार से चर्चा हुई है। भारत के साथ संबंधों के प्रति उनका उत्साह और उनकी प्रतिबद्धता मैंने खुद अनुभव की है।

ये साल हमारे लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ये भारत और इटली के Diplomatic Relations का 70वां साल है। इसी साल Science and Technology के क्षेत्र में हमारे सहयोग को 40 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री कोन्ते जी की भारत यात्रा का एक अलग ही महत्व है।

**Friends,**

ये वो समय है जब Technology के बिना जीवन की कल्पना करना मुश्किल है। आज करीब-करीब हर व्यक्ति का जीवन Technology से किसी ना किसी रूप में जुड़ा हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में तो Technology के क्षेत्र में बहुत तेज़ी से परिवर्तन हुए हैं। इसकी रफ्तार इतनी तेज है कि एक टेक्नोलॉजी

का प्रभाव समाज के आखिरी छोर तक पहुंच भी नहीं पाता कि उससे बेहतर टेक्नोलॉजी आ जाती है। ऐसे में सभी देशों के सामने बदलती हुई टेक्नोलॉजी के साथ चलने की चुनौती है, तो अनेक नए अवसर भी हैं।

भारत ने तो टेक्नोलॉजी को सामाजिक न्याय, सशक्तिकरण, समावेश, सक्षम सरकारी तंत्र और पारदर्शिता का माध्यम बनाया है। सरकारी सेवाओं की प्रभावी Last Mile Delivery को टेक्नोलॉजी के माध्यम से सुनिश्चित किया जा रहा है। विशेषतौर पर Digital Technology का एक व्यापक इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है, ताकि सामान्य जन को और आसानी से सुविधाओं का लाभ मिल सके। Technology को हम Ease of Living का एक महत्वपूर्ण माध्यम मानते हैं।

### Friends,

आज दुनिया की सबसे बड़ी डायरेक्ट बेनिफिट स्कीम में से एक भारत में चल रही है। सरकारी मदद सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंचाई जा रही है। बर्थ सर्टिफिकेट से लेकर बुढ़ापे की पेंशन तक की अनेक सुविधाएं आज ऑनलाइन हैं। 300 से अधिक केंद्र और राज्य सरकार की सेवाओं को उमंग App के माध्यम से एक प्लेटफॉर्म पर लाया गया है।

डिजिटल पेमेंट आजकल करीब ढाई सौ करोड़ ट्रांजेक्शन प्रति माह की रफ्तार से बढ़ रहा है। देशभर में 3 लाख से अधिक कॉमन सर्विस सेंटर्स से गांव-गांव में ऑनलाइन सेवाएं दी जा रही हैं।

पिछले 4 वर्षों में भारत में एक जीबी डेटा की कीमत 90 प्रतिशत से ज्यादा तक कम हुई है। भारत में ये सस्ता डेटा, देश के हर व्यक्ति तक डिजिटल टेक्नोलॉजी को पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बन रहा है।

### Friends,

भारत अब IT Software Power की अपनी पहचान को Next Level पर ले जाने के लिए आगे बढ़ रहा है। हम भारत में Scientific Temper से Technological Temperament विकसित करने पर जोर दे रहे हैं।

देशभर में अटल टिकरिंग लैब के माध्यम से स्कूलों में Innovation के लिए, भविष्य की तकनीक के लिए Temperament विकसित किया जा रहा है। अटल Innovation Mission के माध्यम से देश भर में ऐसे युवाओं का नेटवर्क तैयार किया जा रहा है, जो चौथी औद्योगिक क्रांति का मजबूत स्तंभ बनेंगे।

सरकार के इन तमाम प्रयासों का ही नतीजा है कि World Intellectual Property Organisation, WIPO की Global Innovation Index की रैंकिंग में हम 21 स्थान ऊपर आ गए हैं। इसके अलावा आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा Start-Up Ecosystem भारत में ही है।



भारत में जो Innovation हो रहे हैं उसमें Quality पर भी जोर दिया जा रहा है। भारत का स्पेस प्रोग्राम इसका बेहतरीन उदाहरण है और इसकी सफलता तो इटली ने भी महसूस की है।

आज भारत इटली समेत दुनिया के अनेक देशों के सैटेलाइट बहुत कम खर्च पर अंतरिक्ष में भेज रहा है। ये सैटेलाइट टेक्नोलॉजी का लाभ घर-घर तक पहुंचाने में उपयोगी साबित हो रही हैं।

साथियों, आज जब दुनिया Industry 4.0 की चर्चा कर रही है तब, भारत और इटली की प्राचीन सभ्यताओं के बीच Science और technology में सहयोग को मजबूत करने से नए तो अवसर बनेंगे ही, बल्कि चुनौतियों का सामना भी हम प्रभावी ढंग से कर पाएंगे।

**Friends,**

आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ रही बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। भारत का विशाल Domestic Market, युवा जनसंख्या, Technology और Innovation का Ecosystem, साथ मिलकर दुनिया की ग्रोथ का एक ताकतवर इंजन सिद्ध होने वाला है।

वहीं विज्ञान और प्रौद्योगिकी में इटली के पास भी समृद्ध विरासत है। Manufacturing की दुनिया में इटली का नाम उत्तम क्वालिटी के लिए जाना जाता है। इसलिए, भारत और इटली साथ मिल कर High Quality Research में अपना सहयोग और अधिक मजबूत कर सकते हैं। इस सहयोग के माध्यम से हम वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए साझा Technological Solutions तैयार कर सकते हैं।

यही कारण है कि दोनों देशों के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने, पर्यावरण को स्वच्छ बनाने, मानव कल्याण के लिए Science और Technology में सहयोग मजबूत करना पहले की तुलना में सर्वाधिक आवश्यक है। मुझे इस बात की खुशी है कि दोनों देशों का वैज्ञानिक समुदाय और Business Leaders मिल कर Research और Innovation के Cutting Edge क्षेत्रों में सहयोग कर रहे हैं। Renewable Energy, Environmental Science, Neuro Science, और IT से ले कर सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण जैसे क्षेत्रों में हमारा व्यापक सहयोग है।

**Friends,**

सहयोग के इस मार्ग को मजबूत करने के साथ ही हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना भी है कि Research and Development के परिणाम प्रयोगशालाओं तक ही सीमित न रहें, बल्कि इनका लाभ समाज, जनता तक भी पहुंचे। इसलिए ही मैं हमेशा कहता हूं कि **"Science is Universal, Technology has to be local"**.

भारत में हमने अपनी ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण के लिए Science and Heritage Research Initiative, यानि SHRI की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य ऐतिहासिक स्मारकों के संरक्षण और Restoration के लिए Technology से जुड़े समाधान ढूँढना है। Technology, Tourism और History - तीनों का संगम इस पहल में दिखाई देता है।

मुझे विश्वास है कि Science, Technology और Innovation को बढ़ावा देकर विकास की नई गति सुनिश्चित होगी। हमारे द्विपक्षीय संबंधों के विकास में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। यही इस Tech Summit का उद्देश्य रहा है।

मुझे विश्वास है कि बीते दो दिनों के दौरान Summit में हुई चर्चाओं में से दोनों देशों के बीच Technology Transfer, Joint Ventures और Market Access को बढ़ाने में सहायता मिलेगी। यह Summit हमारे साझा भविष्य की चर्चा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

**Friends,**

आज भारत-इटली द्विपक्षीय Industrial Research and Development Cooperation कार्यक्रम के अगले चरण की शुरुआत की घोषणा करते हुए मुझे बहुत ही खुशी हो रही है। इससे हमारे उद्योग और रिसर्च संस्थान बिना किसी बाधा के नए उत्पाद और Prototypes विकसित कर सकेंगे। **“Know how”, को समय की मांग है “Show how” में परिवर्तित हो सके।**

दोनों देशों में आर्थिक संबंध और मजबूत करने के लिए हम इस बात पर भी सहमत हुए हैं कि Joint Commission on Economic Cooperation, JCEC के मार्गदर्शन में एक CEO फोरम का भी गठन हो। इसके साथ ही, दोनों देशों के बीच two-way investments को बढ़ाने के लिए, व्यापार करने में आ रही अड़चनों को भी दूर करने के लिए एक Fast Track Mechanism बनाने पर भी सहमति बनी है।

मुझे इस बात की भी प्रसन्नता है कि भारत और इटली, LAD यानि Life Style Accessories Design के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। इसमें भी लेदर सेक्टर, Transportation & Automobile Design यानि TAD पर विशेष फोकस किया जाएगा।

साथ ही, मुझे ये बताते हुए भी प्रसन्नता हो रही है कि दोनों देश सांस्कृतिक विरासतों के संरक्षण, Renewable Energy, Life Sciences and Geo-hazards जैसे चुनिन्दा क्षेत्रों में कौशल पर आधारित Indo-Italian Centres of Excellence की स्थापना करेंगे। इनसे न सिर्फ उच्च श्रेणी के विश्वविद्यालय, अनुसंधान संस्थान और उद्योग आपस में जुड़ेंगे, बल्कि हमारे सामने आ रही चुनौतियों का तकनीकी समाधान भी निकाला जा सकेगा।

**Friends,**

Tech Summit की सफलता के लिए मैं सभी आयोजकों को हृदयपूर्वक बधाई देता हूँ। मैं इटली सरकार को भी हृदय से धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने एक पार्टनर देश के रूप में जुड़ने का हमारा निमंत्रण स्वीकार किया। Tech Summit के सभी Participants का भी बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूँ। आप सभी का योगदान और उपस्थिति इस Summit की सफलता के लिए महत्वपूर्ण रही है।

मैं एक बार फिर प्रधानमंत्री कोन्ते जी का आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। यही नहीं, उन्होंने भारत-इटली की नई पार्टनरशिप के नवनिर्माण को अपने व्यक्तिगत मार्गदर्शन, दृष्टिकोण और प्रतिबद्धता का अनमोल उपहार भी दिया है।

ग्रात्सिए मिल्ले!

बहुत बहुत धन्यवाद !!!

\*\*\*\*\*

**अतुल कुमार तिवारी/शाहबाज़ हसीबी/बाल्मीकि महतो**

(रिलीज़ आईडी: 1551249) आगंतुक पटल : 223

प्रधानमंत्री कार्यालय

# सिंगापुर फिनटेक उत्सव में प्रधानमंत्री का भाषण

प्रविष्टि तिथि: 14 NOV 2018 9:27AM by PIB Delhi

वित्तीय विश्व में प्रभावशाली स्वर सिंगापुर के उप-प्रधानमंत्री थर्मन षणमुगरतनम, फिनटेक में अग्रणी संस्थान मोनितरिंग अथॉरिटी ऑफ सिंगापुर के प्रबंध निदेशक श्री रवि मेनन, सौ से अधिक देशों के हजारों प्रतिनिधिगण,

**नमस्कार!**

प्रथम शासनाध्यक्ष के रूप में सिंगापुर फिनटेक उत्सव में मुख्य भाषण देना काफी अधिक सम्मान की बात है

यह भविष्य पर निगाहें टिकाए भारतीय युवाओं का सम्मान है।

यह भारत में चल रही वित्तीय क्रांति और 1.3 बिलियन लोगों के जीवन में परिवर्तन को मान्यता है।

यह आयोजन वित्त और टेक्नोलॉजी का है, यह एक समारोह भी है।

यह प्रकाश पर्व-दीपावली का समय है। यह त्यौहार गुण, आशा, ज्ञान और समृद्धि के विजय के रूप में पूरे विश्व में मनाया जाता है। सिंगापुर पर अभी भी दीपावली का प्रकाश है।

फिनटेक समारोह विश्वास का उत्सव है।

नवाचार और कल्पना की शक्ति में विश्वास का।

युवाओं की ऊर्जा और परिवर्तन के लिए उनकी लालसा के विश्वास का।

विश्व को बेहतर स्थान बनाने के विश्वास का।

और यह आश्चर्य नहीं कि केवल तीन वर्ष में यह समारोह विश्व का सबसे बड़ा समारोह हो गया है।

सिंगापुर वित्त के लिए विश्व का केन्द्र है और अब यह वित्त के डिजिटल भविष्य की ओर छलांग लगा रहा है।

मैंने यहीं पर इस वर्ष जून में भारत का रूपे कार्ड तथा भारत के विश्व स्तरीय यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस या यूपीआई का उपयोग वाले रकम भेजने वाले विश्व के प्रथम अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल एप को लांच किया था।

आज मुझे फिनटेक कम्पनियों तथा वित्तीय संस्थानों को जोड़ने वाले वैश्विक प्लेटफॉर्म लांच करने का सम्मान प्राप्त होगा। इसका प्रारंभ आसियान तथा भारतीय बैंकों और फिनटेक कम्पनियों से होगा।

भारत और सिंगापुर, भारत तथा आसियान देशों के लघु और मध्यम उद्यमों को जोड़ने पर काम कर रहे हैं अभी यह कार्य भारतीय प्लेटफॉर्म पर होगा और इसका वैश्विक विस्तार किया जाएगा।

**मित्रों,**

मैंने स्टार्ट अप सर्किल में दी गई सलाह सुनी है।

- अपने उद्यम पूंजी और उद्यम पूंजी पोषण को दस प्रतिशत तक बढ़ाना है तो निवेशकों को यह बताना होगा कि आप एक 'प्लेटफॉर्म' चलाते हैं, कोई नियमित व्यवसाय नहीं।
- अगर आप अपनी उद्यम पूंजी पोषण को बीस प्रतिशत तक बढ़ाना चाहते हैं तो निवेशकों को बताएं कि आप 'फिनटेक स्थान' में काम कर रहे हैं।
- लेकिन आप अगर सचमुच यह चाहते हैं कि निवेशक अपनी जेब खाली कर दें तो उन्हें बताएं कि आप 'ब्लॉकचेन' का इस्तेमाल कर रहे हैं।

ये बातें आप को वित्तीय विश्व को बदलने में उभरती टेक्नोलॉजी के प्रति उत्साहित करती हैं।

वास्तव में इतिहास ने दिखाया है कि वित्तीय क्षेत्र नई टेक्नोलॉजी और कनेक्टिविटी को अपनाने में अक्सर आगे रहता है।

**मित्रों,**

हम टेक्नोलॉजी द्वारा लाए गए ऐतिहासिक परिवर्तन के युग में हैं।

डेस्क-टॉप से क्लाउड तक, इंटरनेट से सोशल मीडिया, आईटी सेवाओं से इंटरनेट ऑफ थिंग्स तक की यात्रा हमने कम समय में पूरी की है। व्यवसाय में दैनिक अवरोध हो रहा है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था का स्वभाव बदल रहा है।

टेक्नोलॉजी नए विश्व में स्पर्धा और शक्ति को परिभाषित कर रही है।

और यह जीवन में परिवर्तन के आपार अवसर प्रदान कर रही है।

मैंने 2014 में संयुक्त राष्ट्र में कहा था कि हमें मानना होगा कि विकास और सशक्तिकरण का विस्तार फेसबुक, ट्विटर या मोबाइल फोन की गति से ही होगा।

पूरे विश्व में विज्ञान तेजी के साथ वास्तविकता में बदल रहा है।

भारत में इसने शासन संचालन और सार्वजनिक सेवाओं की डिलीवरी में बदलाव ला दिया है। नवाचार, आशा और अवसरों की भरभार हो गयी है। इसने कमजोर को सशक्त बनाया है और हाशिए पर रह रहे लोगों को मुख्यधारा में ला दिया है। इसने आर्थिक पहुंच को पहले से अधिक लोकतांत्रिक बना दिया है।

मेरी सरकार ने 2014 में नागरिक-दूरदराज के गांवों में निर्धनतम व्यक्ति को प्रभावित करने वाले समावेशी विकास के मिशन के साथ कार्यभार संभाला।

मिशन को वित्तीय समावेशन का ठोस आधार चाहिए था- भारत के आकार के देश के लिए यह कोई आसान कार्य नहीं।

फिर भी हम इसे महीनों में ही हासिल करना चाहते थे न की वर्षों में।



फिनटेक की शक्ति और डिजिटल कनेक्टिविटी की पहुंच के साथ हमने अप्रत्याशित गति और आकार की क्रांति प्रारंभ की है।

वित्तीय समावेशन 1.3 बिलियन भारतीयों के लिए एक वास्तविकता हो गया है। हमने 1.2 बिलियन बायोमेट्रिक पहचान आधार महज कुछ सालों में बना लिया है।

जन-धन योजना के साथ हमारा उद्देश्य प्रत्येक भारतीयों को बैंक खाता देना है। तीन वर्षों में हमने 330 मिलियन नए बैंक खाते खोले हैं। यह पहचान, सम्मान और अवसर के 330 मिलियन स्रोत हैं। 2014 में 50 प्रतिशत से भी कम भारतीयों के पास बैंक खाते थे। अब यह सार्वभौमिक हो गया है। आज बिलियन से अधिक बायोमेट्रिक पहचान, बिलियन से अधिक बैंक खाते तथा बिलियन से अधिक सेल फोन के साथ भारत विश्व में सबसे बड़ा सार्वजनिक आधारभूत संरचना वाला देश हो गया है।

3.6 लाख करोड़ से अधिक या 50 बिलियन डॉलर के सरकारी लाभ लोगों तक सीधे पहुंच रहे हैं। अब दूरदराज के गांवों में बैठे गरीब नागरिक को लम्बी दूरी नहीं तय करनी पड़ती या अपने अधिकारों के लिए बिचौलियों की मुठ्ठी नहीं गरम करनी पड़ती है।

अब जाली और नकली खाते सरकारी वित्त का खून नहीं चूसते। हमने चोरी रोककर 80,000 करोड़ रुपये या 12 बिलियन डॉलर से अधिक की बचत की है। अब अनिश्चितता के कगार पर बैठे लाखों लोग अपने खातों में बीमा प्राप्त करते हैं और उन्हें वृद्धावस्था में पेंशन सुरक्षा की पहुंच है। आधार आधारित 400,000 माइक्रो एटीएम के माध्यम से दूरदराज के गांवों में भी बैंकिंग प्रणाली दरवाजे पर पहुंच गई है। इस डिजिटल अवसंरचना ने विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना आयुष्मान लांच करने में मदद की है। यह योजना 500 मिलियन भारतीयों को किफायती स्वास्थ्य बीमा प्रदान करेगी।

डिजिटल अवसंरचना ने मुद्रा योजना के माध्यम से छोटे उद्यमियों के लिए 145 मिलियन के ऋण प्रदान करने में मदद दी है। चार वर्षों में 6.5 लाख करोड़ रुपये या 90 बिलियन डॉलर के ऋण के लिए दिए गए हैं। लगभग 75 प्रतिशत ऋण महिलाओं को प्रदान किए गए हैं।

कुछ सप्ताह पहले ही हमने इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक लांच किया। 150 हजार से अधिक डाक घर और 300,000 डाक सेवा कर्मचारी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए घर-घर बैंकिंग सुविधा दे रहे हैं।

निश्चित रूप से वित्तीय समावेशन को डिजिटल कनेक्टिविटी की आवश्यकता है।

भारत में 120,000 ग्राम परिषदों को लगभग 300,000 किलोमीटर के फाइबर ऑप्टिक केबल से जोड़ लिया गया है।

300,000 से अधिक सामान सेवा केन्द्रों ने गांव तक डिजिटल पहुंच बना दी है। यह केन्द्र भूमि रिकॉर्ड, ऋण, बीमा, बाजार तथा बेहतरीन मूल्य के लिए किसानों को बेहतर पहुंच प्रदान कर रहे हैं। यह केन्द्र स्वास्थ्य सेवाएं और महिलाओं को स्वच्छता के उत्पाद प्रस्तुत कर रहे हैं।

फिनटेक द्वारा भारत में भुगतानों और लेन-देन के डिजिटलीकरण का परिवर्तन लाए बिना कोई भी कार्य प्रभावकारी नहीं हो सकता था।

भारत विविध परिस्थितियों और चुनौतियों वाला देश है। हमारे समाधान भी विविध होने चाहिए। हमारा डिजिटलीकरण सफल है क्योंकि हमारे भुगतान उत्पाद सभी की आवश्यकता पूरी करते हैं।

मोबाइल और इंटरनेट वाले लोगों के लिए भीम-यूपीआई, वर्चुअल भुगतान एड्रेस का उपयोग करते हुए अनेक खातों के बीच भुगतान के लिए विश्व का सर्वाधिक सूक्ष्म, सरल और बाधारहित प्लेटफॉर्म है।

जिनके पास मोबाइल और इंटरनेट नहीं है उनके लिए 12 भाषाओं में यूएसएसडी प्रणाली है।

और जिनके पास न मोबाइल है और न इंटरनेट उनके लिए आधार सक्षम भुगतान प्रणाली है जो बायोमेट्रिक का उपयोग करती है। इस प्रणाली से एक बिलियन लेन-देन हुए हैं और दो वर्षों में इसका 6 गुणा विकास हुआ है।

रूपे भुगतान कार्डों को सबकी पहुंच के अंदर ला रहा है। रूपे 250 मिलियन से अधिक लोगों तक पहुंचा है, जिनके पास चार साल पहले कोई बैंक खाता नहीं था।

कार्ड से क्यूआर तथा वॉलेट से भारत में तेजी से डिजिटल लेन-देन का विकास हुआ है। आज भारत में 128 बैंक यूपीआई से जुड़े हुए हैं।

पिछले 24 महीनों में यूपीआई पर लेन-देन 1500 गुणा बढ़ा है। हर महीने लेन-देन के मूल्य में 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हो रही है।

लेकिन मैं गति से अधिक डिजिटल भुगतान द्वारा प्रदान किए गए अवसरों, सक्षमता, पारदर्शिता और सहजता से प्रेरित हूं।

एक दुकानदार ऑनलाइन रूप से अपनी इनवेंट्री में कमी ला सकता है और तेजी से वसूली कर सकता है।

फल उत्पादक वाले, किसान या एक ग्रामीण दस्तकार के लिए बाजार प्रत्यक्ष और नजदीक हो गए हैं। आय अधिक हो गई है और भुगतान में तेजी आई है।

एक कामगार अपना पारिश्रमिक प्राप्त करता है और एक दिन का काम छोड़े बिना रकम को फौरन अपने घर भेज देता है।

प्रत्येक डिजिटल भुगतान से समय की बचत होती है। इससे विशाल राष्ट्रीय बचत होती है। यह व्यक्ति और अपने देश की उत्पादकता को बढ़ा रहा है।

इससे कर वसूली में सुधार तथा अर्थव्यवस्था में साफ-सफाई लाने में मदद मिली है।

इससे भी अधिक, डिजिटल भुगतान संभावनाओं के लिए विश्व का प्रवेश द्वार हो गए हैं।

डाटा एनालिटिक्स तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लोगों के लिए अनेक मूल्यवर्धित सेवाएं देने में सहायता कर रहे हैं। इसमें उन लोगों के लिए ऋण भी शामिल है जिनका बहुत कम ऋण लेने या ऋण नहीं लेने का इतिहास रहा है।

वित्तीय समावेशन का विस्तार सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों तक हुआ है।

वे सभी एक वर्ष पहले लांच किए गए राष्ट्रव्यापी वस्तु और सेवा कर डिजिटल नेटवर्क पर आ रहे हैं।

बैंक उनके पास ऋण देने के लिए पहुंच रहे हैं। वैकल्पिक ऋण प्रदाता प्लेटफॉर्म, नवाचारी वित्तीय मोडल पेश कर रहे हैं। उन्हें ऊंची ब्याज दर पर ऋण लेने के लिए औपचारिक बाजारों की ओर नहीं देखना पड़ रहा है।

और इसी महीने हमने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के लिए बैंक गए बिना 59 मिनट के अंदर एक करोड़ रुपये या 150,000 तक के ऋण देने का संकल्प व्यक्त किया है। यह एल्गोरिद्म से प्रेरित है जो ऋण संबंधी निर्णय लेने के लिए जीएसटी रिटर्न, इनकम टैक्स रिटर्न और बैंक स्टेटमेंट का उपयोग करता है। महज कुछ दिनों में ऐसे 150,000 उद्यम ऋण के लिए आगे आए हैं।

यह उद्यम, रोजगार और समृद्धि को प्रेरित करने की फिनटेक की शक्ति है।

डिजिटल टेक्नोलॉजी पारदर्शिता ला रही है और सरकारी ई-मार्केट या जीईएम जैसे नवाचारों के माध्यम से भ्रष्टाचार दूर कर रही है। यह सरकारी एजेंसियों द्वारा खरीद के लिए एकीकृत प्लेटफॉर्म है।

यह प्लेटफॉर्म सबकुछ यानी खोज और तुलना, निविदा, ऑनलाइन ऑर्डर, करार और भुगतान की सुविधा प्रदान करता है।

इस प्लेटफॉर्म के पास पहले से 600,000 उत्पाद हैं। इस प्लेटफॉर्म पर लगभग 30,000 क्रेता संगठन और 150,000 से अधिक विक्रेता और सेवा प्रदाता पंजीकृत हैं।

## मित्रों,

भारत में फिनटेक नवाचार और उद्यम का काफी अधिक विस्तार हुआ है। इसने भारत को विश्व का अग्रणी फिनटेक और स्टार्ट अप देश बना दिया है। भारत में फिनटेक तथा इंडस्ट्री 4.0 का भविष्य निखर रहा है।

हमारे युवा ऐसे ऐप्स विकसित कर रहे हैं जो सभी के लिए कागज रहित, नकद रहित, मौजूदगी रहित और सुरक्षित लेन-देन को संभव बना रहे हैं। यह विश्व का सबसे बड़ा एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस सेट इंडिया स्टैक का कमाल है।

युवा बैंकों, नियामक संस्थानों तथा उपभोक्ताओं के लिए समाधान सृजन के उद्देश्य से आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ब्लॉकचेन और मशीन लर्निंग का इस्तेमाल कर रहे हैं।

और युवा हमारे सामाजिक मिशनों-स्वास्थ्य और शिक्षा से लेकर सूक्ष्म ऋण और बीमा को- अपना रहे हैं।

भारत में यह प्रतिभा पूल डिजिटल इंडिया तथा स्टार्ट अप इंडिया और समर्थनकारी नीतियों, प्रोत्साहनों और वित्त पोषण कार्यक्रमों से लाभ उठा रहा है।

विश्व में सबसे अधिक डाटा खपत भारत होती है और डाटा की दरे सबसे सस्ती हैं। भारत फिनटेक अपनाने वाले शीर्ष देशों में एक है। इसलिए मैं सभी फिनटेक कम्पनियों और स्टार्ट अप से कहता हूँ कि भारत आपके लिए सर्वश्रेष्ठ स्थान है।

एलईडी बल्ब उद्योग से भारत में प्राप्त आर्थिक आकार ने इस ऊर्जा सक्षम टेक्नोलॉजी को विश्व के लिए अधिक रियायती बना दिया है। इसी तरह भारत का विशाल बाजार फिनटेक उत्पादों को आकार, प्राप्ति, जोखिम तथा लागत में कमी तथा वैश्विक रूप लेने में सक्षम बनाएगा।

## मित्रों,

संक्षेप में भारतीय कहानी फिनटेक के 6 बड़े लाभों- पहुंच, समावेशन, कनेक्टिविटी, जीवन की सुगमता, अवसर और दायित्व- को दिखाती है।

पूरे विश्व में भारत-प्रशांत से लेकर अफ्रीका और लैटिन अमेरिका तक हम जीवन को बदलने वाले असाधारण नवाचार की प्रेरक कहानियों को देख रहे हैं।

लेकिन अभी बहुत कुछ करना शेष है।

हमारा फोकस सबके विकास और सबसे अधिक हाशिए पर खड़े व्यक्ति के विकास पर होना चाहिए। हमें बैंकिंग सुविधाओं से वंचित विश्व के 1.7 बिलियन लोगों को औपचारिक वित्तीय बाजार में लाना होगा।

हमें विश्व के अनौपचारिक क्षेत्रों में काम कर रहे एक बिलियन से अधिक कर्मियों को बीमा और पेंशन सुरक्षा देनी होगी।

हम यह सुनिश्चित करने के लिए फिनटेक का उपयोग कर सकते हैं कि किसी का भी सपना अधूरा न रहे और कोई भी उद्यम वित्तीय पहुंच के अभाव में न रहे।

हमें जोखिम प्रबंधन, जालसाजी रोकने और पारम्परिक मॉडलों में अवरोध से निपटने में बैंकों और वित्तीय संस्थानों को अधिक लचीला बनाना होगा।

हमें परिपालन, नियमन और निगरानी में सुधार के लिए टेक्नोलॉजी अपनानी होगी ताकि नवाचार को प्रोत्साहन मिले और जोखिम नियंत्रित रहे।

हमें मनीलॉड्रिंग तथा अन्य वित्तीय अपराधों से निपटने के लिए फिनटेक उपायों को अपनाना होगा।

आपस में जुड़े विश्व में उभर रहा वित्तीय विश्व तभी सफल होगा जब हमारे डाटा और हमारी प्रणालियां विश्वसनीय और सुरक्षित होंगी।

साइबर खतरों से हमारे वैश्विक वायर प्रणाली को सुरक्षित बनाना होगा।

हमें यह सुनिश्चित भी करना होगा कि फिनटेक की गति और विस्तार से लोगों का लाभ हो, उनका कोई अहित न हो। वित्तीय क्षेत्र में टेक्नोलॉजी मानवीय स्थिति में सुधार सुनिश्चित करती है।

हमें समावेशी नीतियों और टेक्नोलॉजी के उपयोग के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने और लोगों को शिक्षित करने की आवश्यकता है।

इसके लिए फिनटेक को न केवल एक व्यवस्था बल्कि एक आंदोलन बनाने की आवश्यकता होगी।

और हमें डाटा स्वामित्व तथा प्रवाह, निजता तथा सहमति, निजी और सार्वजनिक हित, कानून और मूल्यों जैसे प्रश्नों का समाधान भी करना होगा।

हमें भविष्य के लिए कौशल सृजन में निवेश करना होगा और विचारों और दीर्घकालिक निवेश को समर्थन देने के लिए तैयार रहना होगा।

## मित्रों,

प्रत्येक युग अपने अवसरों और अपनी चुनौतियों से परिभाषित होता है। भविष्य संवारने की जिम्मेदारी प्रत्येक पीढ़ी की होती है।

यह पीढ़ी विश्व में सभी के लिए भविष्य संवारेगी।

इतिहास में किसी भी समय हमें इतने अधिक अवसर प्राप्त नहीं हुए, जो अवसरों और समृद्धि को लाखों लोगों के लिए जीवनकाल में वास्तविकता में बना दे।

जो गरीब और अमीर, शहरों और गांवों, आशाओं और उपलब्धियों के बीच विश्व को अधिक मानवीय और समान बनाए।

भारत दूसरे के अनुभवों से सीख लेगा, हम विश्व के साथ अपने अनुभवों और अपनी विशेषज्ञता को साझा करेंगे।

क्योंकि जो भारत को प्रेरित करता है वह दूसरे के लिए आशा है और हम भारत के लिए जो सपना देखते हैं उसे ही विश्व के लिए भी चाहते हैं।

यह हम सभी के लिए एक समान यात्रा है।

अंधेरा के ऊपर आशा और खुशी का प्रकाश फैलाने वाले प्रकाशोत्सव की तरह यह समारोह मानवता के बेहतर भविष्य की चाह में हमें एक साथ आने का आह्वान करता है।

**धन्यवाद।**

\*\*\*\*

**आर.के.मीणा/अर्चना/एजी/डीके-11196**

(रिलीज़ आईडी: 1552708) आगंतुक पटल : 426

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English , Urdu , Marathi , Odia , Malayalam